an>

title: Need to check female foeticide in the country.

श्री परेश रावल(अहमदाबाद-पूर्व) ः हमारे देश में बेटी बचाओं आंदोलन चल रहा है। गुजरात सरकार ने इसकी शुरूआत करके जनसमूह में एक प्रकार से बेटियों के जन्म के लिए लोगों को आकर्षित किया था। समाज के उच्च एवं संभ्रांत वर्ग में भी बेटियों को गर्भ में ही मारा जाता है। अतः सरकार को हर गर्भवती स्त्री का गर्भधारण के बाद अस्पताल में कम्पलसरी सोनोग्राफी करके सेक्स डीटरमिनेशन करके, वह जो भी हो अर्थात् लडका अथवा लड़की, एक प्रोफाइल शुरू करनी चाहिए। यह डिटेल ऑनलाइन करके राज्य के स्वास्थ्य विभाग तक तुरंत पहुंचाने का प्रबंध करने का सिस्टम बनाना जरूरी है। इससे प्राइवेट डॉक्टर से लेकर गांवों के पी.एच.सी. और सभी सरकारी अस्पतालों में आई.टी. सिस्टम में हर महीने गर्भ के बच्चे की ग्रोथ अपडेट करनी चाहिए। यदि गर्भ में लड़की है तो सभी सरकारी तंत्र को कड़ी निगरानी करके लड़की को संभावित भ्रूण हत्या से बचाया जा सकता है।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि एक आई.टी. आधारित सिस्टम और कड़ी निगरनी से बहुत सारी बेटियों को बचाया जा सकेगा।